



Raj



Akanksha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121319005

अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|--------|----------|--------|-----|---------|-----|-----------------|
| वर्ण | शूद्र | शूद्र | 1 | 1.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | मानव | मानव | 2 | 2.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | अतिमित्र | सम्पत | 3 | 3.00 | -- | भाग्य |
| योनि | व्याघ्र | महिष | 4 | 1.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | शुक्र | शुक्र | 5 | 5.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | राक्षस | देव | 6 | 1.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | तुला | तुला | 7 | 7.00 | -- | जीवन शैली |
| नाड़ी | मध्य | अन्त्य | 8 | 8.00 | -- | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 28.00 | | |

Raj का वर्ग मृग है तथा ांदी का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।
अष्टकूट मिलान के अनुसार Raj और ांदी का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Raj मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम भाव में स्थित है।
ांदी मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।
Raj तथा ांदी में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।